स्वास्थ्य विभाग बिहार सरकार

Annexure- M

EMT द्वारा Ambulance में AES मरीजों के प्रबंधन के संबंध में प्रपत्र

जिला का नाम :.....

Ambulance का नंबर :.....

ड्राईवर का नाम/मो० नं० :.....

EMT का नाम/मो० नं० :.....

मरीज का नाम :.....

लिंग :..... उम्र :.....

पिता का नाम :.....

पूरा पता :.....

.....

ग्राम :..... पंचायत :.....

प्रखंड :..... जिला का नाम :.....

मरीज के परिजन का मोबाईल नंबर :.....

1. मरीज के परिजन/आशा द्वारा 102 नंबर पर डॉयल कर मस्तिष्क ज्वर मरीज के बारे में सूचना देने की तिथि एवं समय :.....
2. मरीज को किस स्थान से अस्पताल ले जाया गया –

   (क) घर से

   (ख) सरकारी अस्पताल से (ग) निजी अस्पताल से
3. मरीज के घर/सरकारी अस्पताल/निजी अस्पताल पर एम्बुलेंस पहुँचने की तिथि एवं समय :.....
4. क्या एम्बुलेंस पहुँचने के समय आशा उपस्थित थी?
5. क्या एम्बुलेंस में मस्तिष्क ज्वर की अनुमान्य दवाएँ एवं उपकरण उपलब्ध है?
6. क्या बच्चे को बायीं करवट (Left Lateral) अवस्था में लिटाया गया?
7. साफ कपड़े से मुँह से निकलने वाला लार साफ किया गया कि नहीं?
8. एम्बुलेंस में ऑक्सीजन की व्यवस्था है कि नहीं?
9. मरीज को ऑक्सीजन लगाने की आवश्यकता है कि नहीं?
10. मरीज का ग्लुकोमीटर से शूगर लेबल कितना है?
11. मरीज का तापमान कितना है?
12. मरीज का पल्स रेट / हृदय गति क्या है ?
13. मरीज की श्वास गति क्या है?
14. मरीज का बी0पी0 कितना है?
15. क्या मरीज को चमकी आ रही है? यदि हाँ तो क्या उसे मीडाजोलम नेजल स्प्रे दिया गया?
16. मरीज के डीहाईड्रेशन की स्थिति क्या है?
17. मरीज को कौन–कौन सी दवा दी गई?
18. मरीज की वर्तमान स्थिति क्या है?

19. मरीज को किस अस्पताल में लाया गया –

- अस्पताल का नाम :.....
- दिनांक :..... • समय :.....

20. <u>निम्नवत अनुदेशों का अनुपालन किया जाए</u> –

- आवश्यकतानुसार मरीज को आई.भी. लाईन लगाई जाए।
- मरीज को यदि सी0पी0आर0* की आवश्यकता है तो दी जाए।
- यदि मरीज बेहोश है तब उसे मुँह से कुछ न दिया जाए।
- तेज रोशनी से बचने हेतु एम्बुलेंस के सभी पर्दो को लगाया जाए।
- मरीज की आँखों पर पट्टी लगाई जाए।
- मोबाईल बंद या भाइब्रेशन मोड पर रखा जाए।
- एम्बुलेंस का हॉर्न नहीं बजाया जाए।
- एम्बुलेंस को बिना गड्ढे वाले सुगम रास्ते से स्वास्थ्य केन्द्र लाया जाए।
- स्वास्थ्य केन्द्र पहुँचने के पूर्व सूचना दी जाए।

ई0एम0टी0 का हस्ताक्षर

नोट – इसे भरकर स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को भी एक प्रति उपलब्ध कराया जाय।

*Cardio Pulmonary Resuscitation (CPR)

जीवन्त बिहार... सपना हो साकार

अपर निदेशक -सह- राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी
(वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम)
मुख्य मलेरिया कार्यालय, स्वास्थ्य भवन, सुल्तानगंज, बिहार, पटना– 800 006
दूरभाष : 0612–2370131, ई-मेलः spomalariabihar@gmail.com, spovbd@bihar.gov.in

This may be downloaded from Health Deptt. GoB web portal as below-
https://state.bihar.gov.in/health/ from its Menu & Guidelines/Operational Guideline's section.

प्रत्येक नाक में दी जाने वाली निर्धारित खुराक

उम्र (वर्ष में)	वजन (किलों में)	खुराक (मि.ग्रा. में)	प्रत्येक नाक में दी जाने वाली खुराक
1/2 - 1	<10	1.25 - 2	1 - 2
1 - 4	10 - 16	2.5	2 - 3
4 - 10	16 - 32	5	4 - 6
>10	>32	10	10

स्प्रे के भाग :–

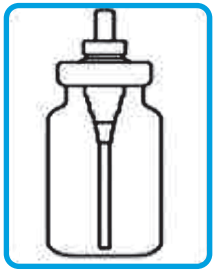

दवा की बोतल

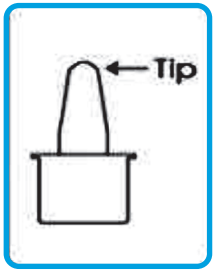

नोजल

धूल से बचाव हेतु सुरक्षात्मक ढक्कन

मेडाजॉलम नोजल स्प्रे का उपयोग कैसे करें

1

बोतल को धीरे से हिलायें और फिर सुरक्षात्मक ढक्कन को हटा दें। बोतल को ऐसे पकड़ें जैसा कि चित्र में दिखाया गया है। अपनी तर्जनी और मध्यमा उंगली को नोजल के दोनों तरफ तथा अंगूठे को बोतल के नीचे रखें।

2

यदि पहली बार उपयोग कर रहे हैं या यदि आपने इसे एक सप्ताह या उससे अधिक समय से उपयोग नहीं किया है तो मरीज को स्प्रे करने से पहले नोजल को हवा में अपने से दूर रखते हुए एक बार स्प्रे कर लें।

3

रोगी के सिर को सीधा रखते हुए नथूने में नोज़ल डालें। एक समान दबाव के साथ पंप को सख्ती से दबाएँ। ऐसा करें कि रोगी को दवा, साँस द्वारा खींचना ना पड़े। दवा को निगलने से बचाने के लिए स्प्रे करते समय सिर को पीछे की ओर न झुकाएँ। प्रत्येक नथूने में एक समय में एक बार ही स्प्रे करें। निर्धारित खुराक के अनुसार जारी रखें।